



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 97/
No. 97]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 31, 1984/चैत्र 11, 1906
NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 31, 1984/CHAITRA 11, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1984

सं. 82/84-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 250(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनिर्णय (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसे सभी संघटकों और कच्ची सामग्री को, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची के अंतर्गत आती है और जिनकी निकासी पोत मरम्मत एकाई द्वारा महा-सागरगामी जलयानों की मरम्मत के लिए की जाती है, उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है :

परन्तु यह तब जब कि—

- (1) उक्त संघटकों और कच्ची सामग्री का विनिर्माता, अधिचयन करने वाली पोत मरम्मत एकाई से उस कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष यह प्रमाणपत्र पेश करता है कि उक्त संघटक और कच्ची

सामग्री सागरगामी जलयानों की मरम्मत के प्रयोजन के लिए अनन्यतः अपेक्षित है और पोत मरम्मत एकाई इस प्रयोजन के लिए भारत सरकार के पोत परिवहन महानिदेशक द्वारा रजिस्ट्रीकृत ; और

- (2) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 10 में उल्लिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है ।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “समुद्रगामी जलयान” पद के अंतर्गत हैं —

- (क) जहाज, विभिन्न प्रकार के स्थोरा जलयान जिसके अंतर्गत मांस, फल, आदि के परिवहन के लिए प्रशीतक जलयान ; विशिष्ट माल (अनाज, कोयला, अयस्क, आदि) के परिवहन के लिए विनिर्दिष्ट जलयान, (पेट्रोल, मीटिंग, आदि) के लिए टैंकर; नौका और अन्य चलत जलयान; कीबल पोत; बर्फ भंडारक; (हवेल के प्रसंस्करण, मछलियों के परिरक्षण, आदि के लिए) सभी प्रकार के प्लवमान कारखाने; हवेल पकड़ने का यंत्र; ट्रालर और अन्य मत्स्यन जलयान; रक्षा नौका; बैजानिक अनुसंधान जलयान; मौसम पोत; बोया के परिवहन और मूरिंग के लिए जलयान; पाइपट नौका; निष्कर्षित सामग्री के व्ययन के लिए हापर-बजरा; आदि;

- (क) सभी प्रकार के यन्त्रपोत जिनके अंतर्गत पतङ्गुली है;
 (ग) टंग, तलमार्जक, अग्निप्लवक और उद्धारण पोत ।

[फा. सं. 71/15/83-के उ. 2]

बी. आर. त्रिपाठी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 1984

No. 82/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 250(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts all components and raw materials, falling under the first Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and cleared for repair of ocean-going vessels, by ship repair units, from the whole of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Act :

Provided that—

- (i) The manufacturer of the said components and raw materials produces, before the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory, a certificate from the indenting ship repair unit that the said components and raw materials are required solely for the purpose of the repair of ocean-going vessels,

and that the ship repair unit is registered with the Director General of Shipping, Government of India, for this purpose ;
 and

- (ii) the procedure set out in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944, is followed.

Explanation.—For the purposes of this notification, the expression “ocean-going vessels” includes—

- (i) liners; cargo-vessels of various kinds including refrigerator vessels for the transport of meat, fruit etc; vessels specified for the transport of particular goods (grain, coal ores, etc.); tankers (petrol, wine, etc.); yachts and other sailing vessels; cable ships; ice-breakers; floating factories of all kinds (for processing whales, preserving fish, etc.); whale catchers; trawlers and other fishing vessels, lifeboats; scientific research vessels; weather ships; vessels for the transportation and mooring of buoys; pilot-boats; hopper-barges for the disposal of dredged material; etc.;
- (b) warships of all kinds including submarines;
- (c) tugs, dredgers, fire-floats and salvage ships.

[F. No. 71/15/83-CX.2]

B. R. TRIPATHI, Under Secy.